TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

2024

11 अगस्त 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

अज्ञानी होना उतना शर्मनाक नहीं है

जितना सीखने की इच्छा न होना है।

बेंजामिन फ्रैंकलिन

राकेश कुमार

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

Sunday

11 अगस्त

1. **पटना के सात शहीद–** वर्ष 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के समय 11 अगस्त, 1942 ई. अनुग्रह नारायण सिन्हा की गिरफ्तारी के बाद छात्र समूह विचलित हो उठा और ब्रिटिश हुकूमत पर टूट पड़ा। छात्रों की टोली पटना सचिवालय पर तिरंगा ध्वज फहराने के लिए निकल पड़ी। जैसे ही वे सचिवालय के गेट पर पहुँचे, अंग्रेज डीएम. डब्ल्यू जी. आर्चर ने उनपर गोली चलवा दी। एक–एक छात्र शहीद होते गये और दूसरा तिरंगे को थामता गया। इस दौरान सात क्रांतिकारी छात्र शहीद हो गये जिनके नाम निम्न हैं–
   1. शहीद उमाकान्त प्रसाद सिन्हा– राम मोहन राय सेमिनरी, कक्षा 9, नरेन्द्रपुर, सारण
   2. रामानन्द सिंह– राम मोहन राय सेमिनरी, कक्षा 9, साहदित नगर (वर्तमान धनवारूआ), पटना
   3. सतीश प्रसाद झा– पटना कॉलेजिएट स्कूल, कक्षा 10, खडहर, भागलपुर
   4. शहीद जगतपति कुमार, बिहार नेशनल कॉलेज, द्वितीय वर्ष, खरांटी, ओबरा, औरंगाबाद
   5. देवीपद चौधरी– मिलर हाई इंग्लिश स्कूल, कक्षा 9, सिलहट, जमालपुर
   6. राजेन्द्र सिंह– पटना उच्च अंग्रेजी स्कूल, मैट्रिक वर्ग, बनवारीचक, नयागांव, सारण
   7. रामगोविन्द सिंह– पुणुन उच्च अंग्रेजी स्कूल, मैट्रिक वर्ग, दसरथा, पटना
      - आज भी बिहार की राजधानी पटना के सचिवालय चौक पर मूर्तिकार देवीप्रसाद राय चौधरी निर्मित इन सातों विद्यार्थियों की आदमकद कांस्य प्रतिमा स्थापित है।
2. **खुदीराम बोस को फाँसी–** भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान मात्र 18 वर्ष की आयु में फाँसी पर चढ़ने वाले खुदीराम बोस सबसे कम उम्र के क्रांतिकारी देशभक्त थे। उन्होनें किंग्सफोर्ड की बग्घी पर बम से हमला किया गया लेकिन किंग्सफोर्ड बच गया और उसकी पत्नी और बेटी मारी गई। हमला और हत्या करने के जुर्म में उन्हें पकड़ लिया गया, उनके साथी प्रफुल्ल चाकी ने स्वयं को गोली मार ली। 11 अगस्त, 1908 ई. को खुदीराम बोस को मुजफ्फरपुर जेल में फाँसी की सजा दी गई थी। फाँसी के बाद खुदीराम बोस इतने लोकप्रिय हो गये कि बंगाल के जुलाहे एक खास किस्म की धोती बुनने लगे जिसके किनारे पर खुदीराम लिखा होता था।
3. **गोपाल सिंह नेपाली का जन्म–** गोपाल सिंह 'नेपाली' एक विलक्षण प्रतिभा के गीतकार और राष्ट्रभक्त कवि थे। उनका जन्म बिहार के बेतिया में 11 अगस्त, 1911 ई. को जन्माष्टमी के दिन ही हुआ था। उनकी पंक्षी, रागिनी, नीलिमा, पंचमी, और हिमालय ने पुकारा जैसी रचनाओं प्रसिद्ध हैं।

दिवस विशेष

11 अगस्त

मधु प्रिया

पटना(बिहार)के सात शहीद सपूत 11 अगस्त

आज से 81 वर्ष पहले आज की तारीख में ही बिहार के सात सपूत अंग्रेजों द्वारा गोली मारे जाने से शहीद हो गए थे। ये सभी छात्र थे और 1942 में अगस्त क्रांति के दौरान 11 अगस्त को दो बजे दिन में पटना के सचिवालय पर झंडा फहराने निकले थे। पटना के उस समय के जिलाधिकारी डब्ल्यू जी आर्थर के आदेश पर पुलिस ने गोलियां चलाई थीं। इसमें लगभग 13 से 14 राउंड गोलियों की बौछार हुई थी। ये सात सपूत थे उमाकांत प्रसाद सिंह, रामानंद सिंह, सतीश प्रसाद झा, जगपति कुमार, देवीपद चौधरी, राजेन्द्र सिंह और राम गोविंद सिंह।इस अभियान का नेतृत्व कर रहे थे देवीपद चौधरी। देवी पद चौधरी की उम्र 14 साल की थी। वे सिलहट के जमालपुर गांव के रहने वाले थे। वे जब सचिवालय की ओर अपने छह साथियों के साथ बढ़ रहे थे तो पुलिस ने उन्हें रोकना चाहा पर वे रुकने वाले कहां थे। देवीपद तिरंगा थामे आगे बढ़ रहे थे कि पुलिस ने उन्हें गोली मार दी। देवीपद को गिरते देख पटना जिले के दशरथा गांव के रामगोविंद सिंह आगे बढ़े और हाथ में तिरंगा ले लिया। देवकी सिंह के पुत्र रामगोविंद सिंह उस समय पुनपुन के हाईस्कूल में दसवीं कक्षा में पढ़ रहे थे। रामगोविंद सिंह आगे बढ़े पुलिस ने उन्हें भी गोली मारी दी। तिरंगा रामानंद सिन्हा ने थामा और उसे गिरने नहीं दिया। पटना जिले के रहने वाले रामानंद सिंह 10वीं कक्षा के छात्र थे। उनकी शादी हो चुकी थी। रामानंद को गिरता देख सारण जिले के दिघवारा के निवासी राजेन्द्र सिंह ने तिरंगा थामा। राजेन्द्र सिंह आगे बढ़े। गर्दनीबाग उच्च विद्यालय में पढ़ाई कर रहे थे। उनका भी विवाह हो चुका था। राजेन्द्र सिंह के पिता का शिवनारायण सिंह थे। राजेन्द्र सिंह से तिरंगे को गिरता देख जगपति कुमार ने संभाला। जगपति कुमार औरंगाबाद जिले के रहने वाले थे। जगपति कुमार को एक गोली हाथ में लगी दूसरी गोली छाती मे धंसी और तीसरी गोली जांघ में लगी फिर भी तिरंगा नहीं झुका। अब आगे आये भागलपुर जिले (बांका) के बरापुरा ग्राम के श्री मथुरा प्रसाद का सुपुत्र सतीश झा। वे पटना कालेज में पढ़ते थे। तिरंगा फहराने की कोशिश में इन्हें भी गोली मार दी गई। सतीश भी शहीद हो गए पर झण्डा नहीं गिरने दिया। उसे आगे बढ़कर उठा लिया उमाकान्त ने जो मात्र 15 वर्ष के थे। वे पटना के बी.एन.कॉलेज के द्वितीय वर्ष के छात्र थे। पुलिस दल ने उन्हें भी गोली का निशाना बनाया, पर उन्होंने गोली लगने पर भी आखिरकार सचिवालय के गुम्बद पर तिरंगा फहरा ही दिया। इसके बाद वे शहीद हो गए। स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद इस स्थान पर शहीद स्मारक का निर्माण हुआ। इसका शिलान्यास स्वतन्त्रता दिवस को बिहार के प्रथम राज्यपाल जयराम दौलत राय के हाथों हुआ। औपचारिक अनावरण देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने 1956 में किया।

पुण्यतिथि विशेष 11 अगस्त

राकेश कुमार

खुदीराम बोस *Khudiram Bose*, जन्म: 3 दिसंबर, 1889; शहादत: 11 अगस्त, 1908) मात्र 19 साल की उम्र में हिन्दुस्तान की आज़ादी के लिये फाँसी पर चढ़ने वाले क्रांतिकारी थे। भारतीय स्वाधीनता संग्राम का इतिहास क्रांतिकारियों के सैकड़ों साहसिक कारनामों से भरा पड़ा है। ऐसे ही क्रांतिकारियों की सूची में एक नाम खुदीराम बोस का है।

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 11.08.2024

आत्म-विकास

आत्म-विकास एक सतत प्रक्रिया है जिसमें अधिक आत्म-जागरूक होना, हर समय नई चीजें सीखना, लक्ष्य निर्धारित करना, सकारात्मक दृष्टिकोण रखना और खुद का ख्याल रखना शामिल है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

जींस की शुरुआत 19वीं सदी में अमेरिका में खनिकों और मजदूरों के टिकाऊ वर्कवियर के रूप में हुई थी। कठोर परिस्थितियों का सामना करने के लिए उन्हें मजबूत और लंबे समय तक चलने वाले कपड़ों की जरूरत थी, जिसके चलते जींस का जन्म हुआ।

स्रोत:
दैनिक भास्कर

TOB

राकेश कुमार

खेल कॉर्नर

ओलम्पिक से

26 जुलाई से 11 अगस्त

पेरिस (फ्रांस)

अमन ने जोरदार अटैक और स्टेमिना से जीता ब्रॉन्ज: 10 घंटे में घटाया 4.6 किलो वजन; भारत के सबसे युवा ओलिंपिक मेडलिस्ट

21 साल 24 दिन की उम्र में अमन सहरावत भारत के सबसे युवा ओलिंपिक मेडलिस्ट बन गए हैं। शुक्रवार को अमन ने पेरिस ओलिंपिक में भारत को रेसलिंग का पहला मेडल दिलाया। इसी के साथ अमन ने भारतीय रेसलर्स की उस विरासत को आगे बढ़ाया, जिसकी नींव 1952 में केडी जाधव ने ब्रॉन्ज जीतकर रखी थी। भारतीय रेसलर्स ने लगातार 5वें ओलिंपिक खेलों में मेडल जीता है।

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

QUIZ TIME

Today's Quiz

Quiz Number 447

समुंद्र की गहराई किससे नापते हैं ?

A. बैरोमीटर से

B. फैदोमीटर से

C. ओडोमीटर से

D. गैलवेनीमीटर से

www.teachersofbihar.org

सही उत्तर: B

TOB बूझो तो जानें . .

447

नाम उसका उल्टा सीधा एक समान, न्याय दिलाना उसका काम, सही करे या गलत निर्णय, पर सब करते उसका सम्मान ... बुझो तो जानें ?

www.teachersofbihar.org

संजय कुमार

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

11 अगस्त

अमर शहीद

खुदीराम बोस

की पुण्यतिथि पर उन्हें सादर नमन

3 दिसंबर 1889 - 11 अगस्त 1908

www.teachersofbihar.org

Punita Kumari

11 अगस्त

हिन्दी एवं नेपाली के प्रसिद्ध कवि

गोपाल सिंह नेपाली

की जयंती पर सादर नमन।

11 अगस्त 1911-17 अप्रैल 1963

Madhu priya

www. teachersofbihar.org

भारत की स्वतन्त्रता के लिए फाँसी पर चढ़ने वाले

खुदीराम बोस

की पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन।

Madhu priya

/teachersofbihar